Awareness Workshop on Personality Development

Date: 28.04.2022

Coordinator- Dr. Vinay Devlal

Media News

तीर्थ चेतना

Home > शिक्षा >
गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कोटद्वार भाबर में व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कोटद्वार भाबर में व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

Tirth Chetna April 28, 2022 0 शिक्षा

Spread the love

कोटद्वार। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कोटद्वार भा... काउंसिलिंग सेल के बैनर तले व्यक्तित्व विका... आयोजित की गई।

कार्यशाला का शुभारंभ कॉलेक के प्रिंसिपल ... अग्रवाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा ... विकास और व्यक्तित्व विकास मौजूदा दौर की ... जरूरत है। छात्र/ छात्राओं को प्रतिस्पर्द्धा के ... महत्व को समझना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक तथा विषय के मुख्य वक्ता ... देवलाल ने कार्यक्रम में क्षमता निर्माण और व्य... के विषय पर विद्यार्थियों को बताया कि छात्र ... व्यक्तित्व क्षमता निर्माण, प्रबंधन, तनाव को ... संवाद कौशल को विकसित कर उन्हें बेहतर ... चुनने में मदद मिलती है।

उन्होंने बताया कि व्यक्तित्व निर्माण व विकास ... छात्राओं को रोजगार की मांग के अनुसार तैय... सकता है। डॉ. विनय देवलाल ने पीपीटी के मा... विकास के विभिन्न चरणों को समझाया।

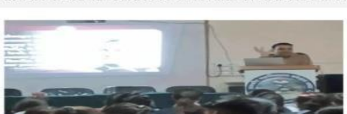

कार्यशाला में छात्रों को बताए गए कौशल विकास के गुर, कैसे तनाव को कम कर पा सकते हैं सफलता

1 min read

22 hours ago Bhanu Bangwal

पौड़ी जिले में राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर के करियर काउंसलिंग सेल के तत्वाधान में व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पौड़ी जिले में राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर के करियर काउंसलिंग सेल के तत्वाधान में व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ विजय कुमार अग्रवाल ने किया। उद्घाटन सत्र पर उन्होंने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को वर्तमान समय में कौशल विकास के साथ व्यक्तित्व विकास के महत्व को भी आवश्यक बताया।

कार्यक्रम संयोजक तथा विषय के मुख्य वक्ता डॉ विनय देवलाल ने कार्यक्रम में क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास के विषय पर वि... को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्र छात्राओं में व... क्षमता निर्माण, प्रबंधन , तनाव को कम करने तथा संवाद कौशल को विकसित कर उन्हें बेहतर रोजगार विकल्प चुनने में मदद मिलती है।

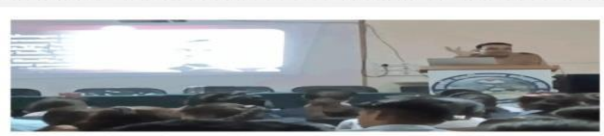

कार्यशाला में छात्रों को बताए गए कौशल विकास के गुर, कैसे तनाव को कम कर पा सकते हैं सफलता

1 min read

22 hours ago Bhanu Bangwal

पौड़ी जिले में राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर के करियर काउंसलिंग सेल के तत्वाधान में व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पौड़ी जिले में राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर के करियर काउंसलिंग सेल के तत्वाधान में व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ विजय कुमार अग्रवाल ने किया। उद्घाटन सत्र पर उन्होंने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को वर्तमान समय में कौशल विकास के साथ व्यक्तित्व विकास के महत्व को भी आवश्यक बताया।

कार्यक्रम संयोजक तथा विषय के मुख्य वक्ता डॉ विनय देवलाल ने कार्यक्रम में क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास के विषय पर वि... को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्र छात्राओं में व... क्षमता निर्माण, प्रबंधन , तनाव को कम करने तथा संवाद कौशल को

उन्होंने बताया कि व्यक्तित्व निर्माण व विकास के द्वारा छात्र-छात्राओं को रोजगार की मांग के अनुसार तैयार किया जा सकता है। डॉ. विनय देवलाल ने पीपीटी के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न चरणों को समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास को बढ़ाने व सफलताप्राप्ति में व्यक्तित्व के प्रभावों के विषय में भी जागरूक किया। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा व्यक्तित्व निर्माण के गुण सीखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उषा सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुखपाल रौतेला, आशुतोष रावत, सन्नी आदि उपस्थित रहे।

SWAMI RAMA HIMALAYAN UNIVERSITY

'व्यक्तित्व विकास' पर कार्यशाला का आयोजन

कोटद्वार/एसएनबी। राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर के करियर काउंसलिंग सेल के तत्वावधान में व्यक्तिगत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर डा. अग्रवाल ने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को वर्तमान समय में कौशल विकास के साथ व्यक्तित्व विकास के महत्व को आवश्यक बताया। कार्यक्रम संयोजक तथा विषय के मुख्य वक्ता डा. विनय देवलाल ने कार्यक्रम में क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास के विषय पर विद्यार्थियों को बताया कि छात्र छात्राओं में व्यक्तित्व क्षमता निर्माण, प्रबंधन , तनाव को कम करने तथा संवाद कौशल को विकसित कर उन्हें बेहतर रोजगार विकल्प चुनने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि व्यक्तित्व निर्माण व विकास के द्वारा छात्र-छात्राओं को रोजगार की मांग के अनुसार तैयार किया जा सकता है। डा. विनय देवलाल ने पीपीटी के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न चरणों को समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास को बढ़ाने व सफलता प्राप्ति में व्यक्तित्व के प्रभावों के विषय में भी जागरूक किया। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा व्यक्तित्व निर्माण के गुण सीखे। कार्यक्रम का संचालन डा. उषा सिंह ने किया। इस अवसर पर डा. सुखपाल रौतेला, आशुतोष रावत, सन्नी आदि उपस्थित रहे।

कोटद्वार : छात्रों को व्यक्तित्व विकास के के बारे में बताते हुए अतिथि।

कार्यालय-मुख्य कृषि अधिकारी/परियोजना निदेशक-आतमा हरिद्वार
(नेशलन मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टैक्नोलॉजी NMAET परियोजना)

IPR WORKSHOP

DATE: 21.04.2022

Coordinator- Dr. Vinay Devlal

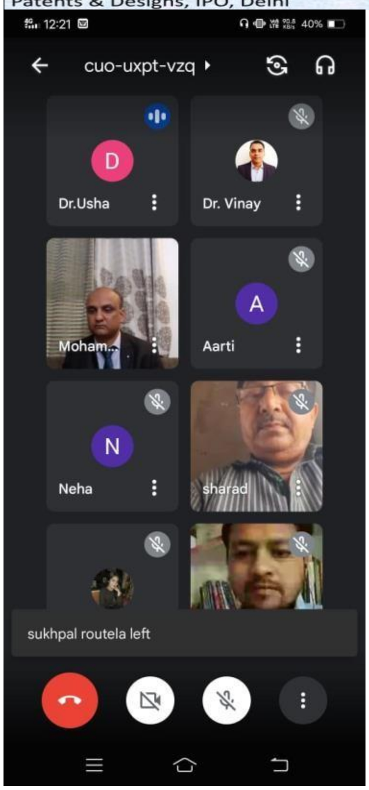

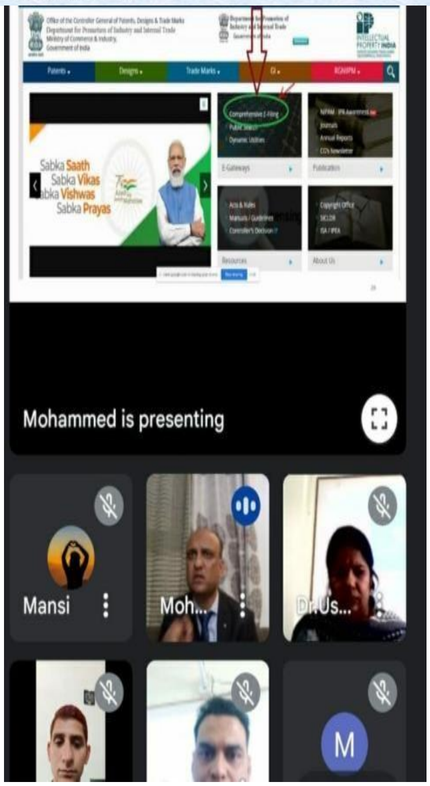

'नवाचार के जरिए सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित करें'

महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में हुई कार्यशाला

भाबर डिग्री कालेज में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग करते वक्ता।

संवाद न्यूज एजेंसी

कण्वघाटी। राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। वक्ताओं ने साहित्य, विज्ञान व कला सभी में नवाचार एवं आविष्कारों का सृजन करते हुए सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित कर आगे बढ़ने पर जोर दिया।

कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. वीके अग्रवाल ने किया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयोजक डॉ. विनय देवलाल ने छात्र-छात्राओं को ज्ञान पूल के निर्माण, संचय और समृद्ध जानकारी के माध्यम से नवाचार की प्रासंगिकता और कानून के बारे में बताया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता मो. अतिकउल्ला, सहायक नियंत्रक,

बौद्धिक संपदा से जुड़े पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट की दी जानकारी

डीपीआईआईटी ने देश के युवाओं में रचनात्मकता के साथ ही नवाचार, अनुसंधान और विकास के मार्ग के रूप में बौद्धिक संपदा को शक्तिशाली शस्त्र के रूप में प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार, संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए नवाचार के प्रयासों को साझा किया। कहा कि साहित्य, विज्ञान व कला सभी में नवाचार एवं आविष्कारों का सृजन करते हुए सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित कर इस दिशा की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने बौद्धिक संपदा से जुड़े पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट की जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन करते हुए डॉ. उषा सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा के महत्व को छात्र-छात्राओं को समझना होगा। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

की प्रासंगिकता और कानून के बारे में दी गई जानकारी

1 min read

2 days ago Bhanu Bangwal

राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर जागरूकता के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई।

छात्राओं को ज्ञान पूल के निर्माण, संचय और समृद्ध जानकारी के माध्यम से नवाचार की प्रसांगिकता तथा कानून के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आईपीआर जागरूकता के विषय में जिज्ञासा उत्पन्न करने को लेकर चर्चा की।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डीपीआईआईटी के सहायक नियंत्रक मो अतिकउल्ला ने अपने विशेष वक्तव्य में भारत के युवाओं में रचनात्मकता के साथ – साथ नवाचार, अनुसंधान, तथा विकास के मार्ग के रूप में बौद्धिक सम्पदा को शक्तिशाली शस्त्र के रूप में प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होने भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकार, संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए नवाचार की ओर प्रयासों को साझा किया। मो अतिकउल्ला ने भारत में आईपीआर सम्बन्धित जागरूकता के न होने तथा भारत में इसकी धीमी गति पर चिन्ता जताई। उन्होने आईपीआर साक्षरता व जागरूकता पहल के लिए सरकार के प्रयासों को साझा किया।

में महत्वपूर्ण कदम बताया। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए आईपीआर के प्रासांगिक पहलुओं के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का संचालन डा उशा सिंह ने किया। कार्यशाला में उत्तराखंड व अन्य राज्यों के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने वर्चुअली प्रतिभाग किया। उक्त कार्याशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

SWAMI RAMA HIMALAYAN UNIVERSITY
Swami Ram Nagar, Jolly Grant, Dehradun, Uttarakhand
click here
ADMISSION OPEN
B.Tech CSE in assocation with IBM
BCA | B.Sc. (Hons.) Data Science | B.Tech CSE
B.Sc. Yoga Science & Holistic Health
B.Sc. (Hons.) Biotechnology / Microbiology
B.Com (Hons.) | BBA
B.Sc. Nursing | P.B.B.Sc. Nursing
BPT | B.Optom. | BASLP
₹8699/year
eCommerce Starter
Successfully Launch & Scale your Store Online

Awareness Workshop on Ayurveda

Date: 12.03.2021

Coordinator-Dr.Vinay Devlal

WORKSHOP ON ENTREPRENEURSHIP

Date:12.02.2020

Coordinator-Dr.Vinay Devlal

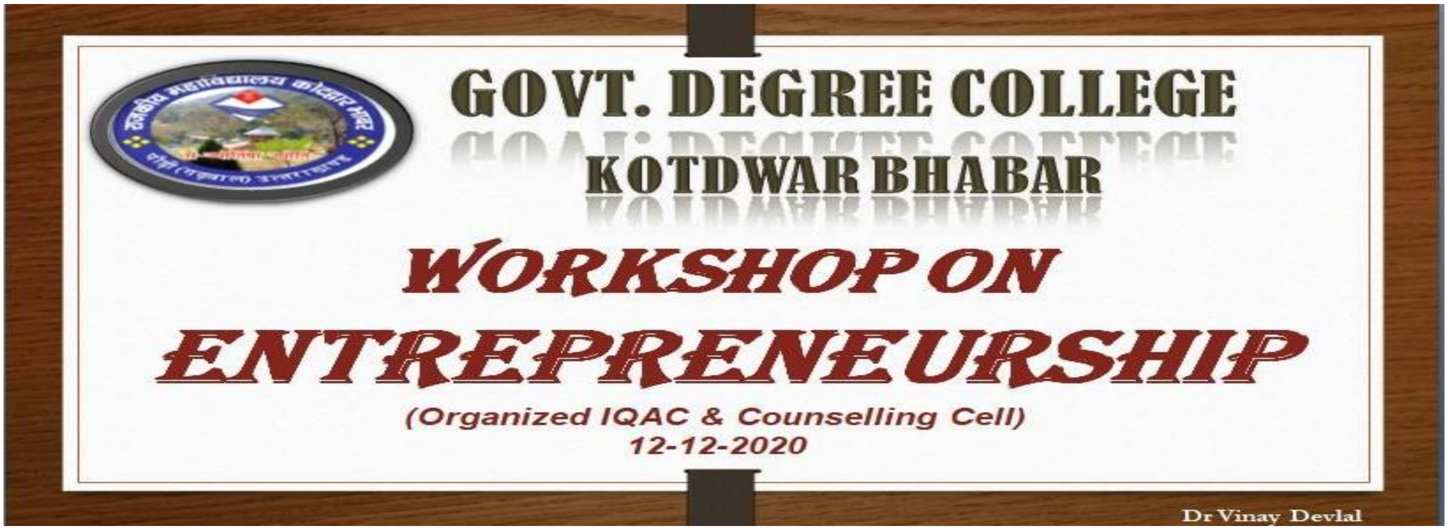

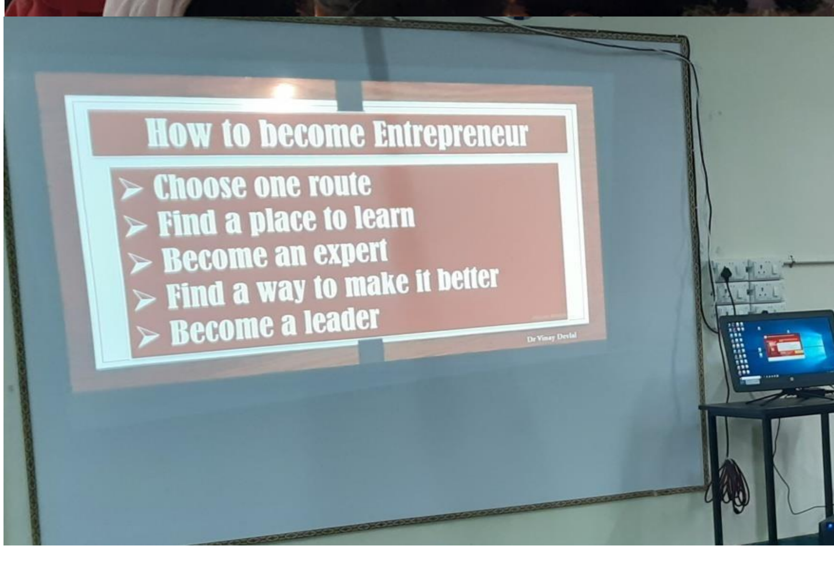

'उद्यमिता है आर्थिक विकास की कुंजी'

कण्वघाटी। भाबर के राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में करियर काउंसलिंग सेल के तत्वाधान में उद्यमिता विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मृत्युंजय सिंह ने छात्र-छात्राओं से स्वरोजगार अपना कर आर्थिक और सामाजिक विकास में भागीदारी निभाने की अपील की।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करियर काउंसलिंग सेल के प्रभारी डॉ विनय देवलाल ने किया। उन्होंने उद्यमिता विकास पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए आधुनिक युग में स्वरोजगार के लाभ से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। बतौर मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक मृत्युंजय सिंह ने उद्यमिता को आर्थिक विकास की कुंजी बताया। कहा उद्यमिता विकास के लिए हर व्यक्ति को अपने भीतर उद्यमी व्यक्ति के गुणों को अपनाना होगा। उद्यमी एक क्रियाशील प्राणी है जो विशेष कार्य, खासतौर से उद्यम संबंधित कार्य को क्रियान्वित करने की पहल करता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को किसी भी उद्यम की शुरुआत करने, योजना की रूपरेखा तैयार करने, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमजीईपी), उत्तराखंड स्टार्टअप नीति, एमएसएमई कार्यक्रम, होम स्टे योजनाओं की विस्तृत जानकारियां दी। मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. ऊषा सिंह, मनीषा, विनोद, आशीष कुमार, सन्नी, रोहन कुमार रहे। ब्यूरो

Workshop on Sustainable Development

Coordinator- Dr. Vinay Devlal

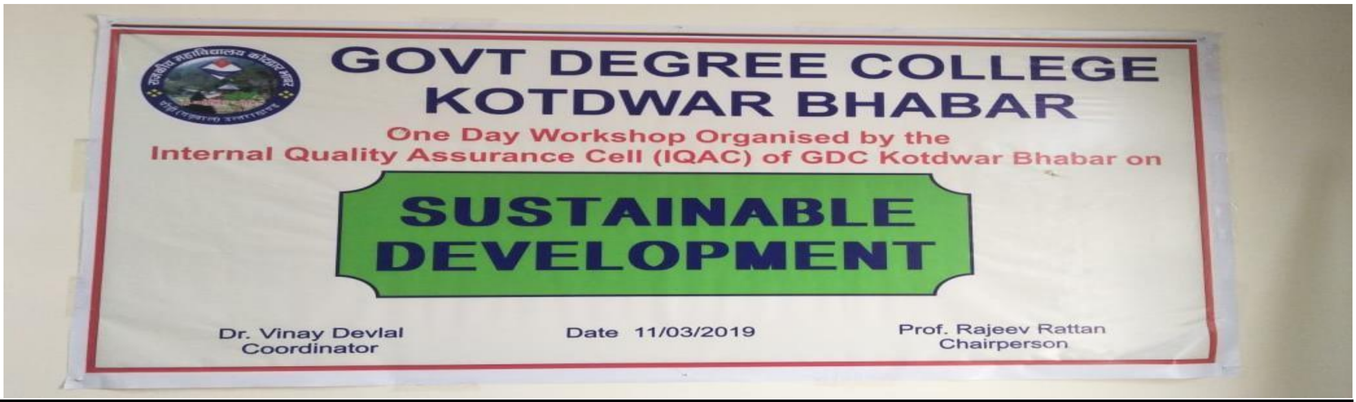

पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करने की सलाह

कोटद्वार| हमारे संवाददाता

डिग्री कॉलेज भाबर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला में सतत् विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं से पॉलीथिन का प्रयोग न करने के साथ ही समाज को भी जागरूक करने की अपील की गई। भाबर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रो. कुमकुम रौतेला ने दीप प्रज्वलित कर किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुती दी।

डिग्री कॉलेज के आईक्यूएसी संयोजक डा. विनय देवलाल ने स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से सतत् विकास विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। वक्ता डीएम शर्मा, डा. एमडी कुशवाहा और डा. राकेश द्विवेदी ने बताया कि सतत् विकास के लिए सभी को अपनी-अपनी भागीदारी निभानी आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. राजीव रतन ने अतिथियों को पौधे भेंट किए। संचालन डा. ऊषा सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. भक्तदर्शन, डा. भोलानाथ, राजेश डबराल मौजूद रहे।

डिग्री कालेज भाबर में सतत विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया ।

सतत विकास के लिए सभी की भागीदारी आवश्यक

कोटद्वार भाबर कालेज में कार्यशाला आयोजित

राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देते प्राचार्य डा. राजीव रतन।

अमर उजाला ब्यूरो

किशनपुर/कोटद्वार। राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की ओर से आयोजित कार्यशाला में सतत विकास विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने वर्तमान में पर्यावरण पर हो रहे दुष्प्रभावों को कम करने के लिए सभी से अपनी भागीदारी निभाने की अपील की।

सोमवार को महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. कुमकुम रौतेला ने किया। उन्होंने सतत विकास और भविष्य में होने वाले इसके प्रभावों की जानकारी दी। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। आईक्यूएसी संयोजक डा. विनय देवलाल ने स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से सतत विकास विषय पर व्याख्यान दिया। वक्ता डीएम शर्मा, डा. एमडी कुशवाहा और डा. राकेश द्विवेदी ने बताया कि सतत विकास के लिए सभी को अपनी-अपनी भागीदारी निभानी आवश्यक है। हमें उसके लिए पर्यावरण संतुलन बनाना चाहिए। इसके लिए वृक्षों के दोहन पर रोक लगाकर पौधरोपण करना होगा। प्राचार्य डा. राजीव रतनने अतिथियों को पौधे भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन डा. ऊषा सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. भक्तदर्शन, डा. भोलानाथ व राजेश डबराल मौजूद रहे।